संपादकीय

असरदार कर्जदार

बैंकिंग व्यवस्था में अपना सुरक्षित भविष्य देखने वाले उन तमाम खाताधारकों को यह खबर जरूर विचलित करेगी कि सरकारी बैंकों की गैर-निष्पादित आस्तियां यानी एनपीए साढ़े आठ लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। संसद में वित्तमंत्री द्वारा दिये गये एक बयान के अनुसार गत मार्च में एनपीए नौ लाख करोड़ के करीब पहुंच रहा था, जो अब समाधान योजना के फलस्वरूप साढ़े आठ लाख करोड़ रुपये से कुछ अधिक है। यह भी कि गत तीस सितंबर तक 2043 कर्जदार ऐसे थे, जिन पर सरकारी बैंकों की 25 करोड़ से अधिक गैर-निष्पादक आस्तियां बकाया थीं। यह राशि पौने सात लाख करोड़ रुपये से अधिक बैठती है। ये आकंड़े उन ग्राहकों का मनोबल गिराने वाले हैं जो अपने भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए अपनी खून-पसीने की रकम भरोसे से बैंकों में जमा करते हैं। जाहिर तौर पर बैंक प्रबंधन एनपीए में अप्रत्याशित वृद्धि की जवाबदेही से नहीं बच सकता। कहीं न कहीं ये आंकड़ा बैंक प्रबंधकों की ऋण नीति, चूक, ऋण धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार व आर्थिक मंदी की देन है। लेकिन इसके बावजूद इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने के गंभीर प्रयास नहीं हुए हैं। या फिर ऐसी सजाएं भी न हुई हैं कि जो डिफाल्टरों को भयभीत कर सकें।

कहीं न कहीं राजनीतिक हस्तक्षेप भी एनपीए की वृद्धि का कारक बनता रहा है। आरबीआई द्वारा सख्ती दिखाने पर सत्ताधीशों द्वारा ऋण देने में ढील देने का दबाव बनाया जाता है। गत दिसंबर में केंद्रीय सूचना आयुक्त ने आरबीआई को कड़े शब्दों में नोटिस जारी करके कहा था कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद जान-बूझकर कर्ज न चुकाने वाले लोगों की सूची क्यों नहीं सार्वजनिक की गई। यहां तक कि आयुक्त ने आरबीआई प्रमुख को जुर्माना लगाने तक की चेतावनी दी थी। दरअसल, सख्त कार्रवाई न होने की वजह से ही हाल के वर्षों में बैंकों के बट्टा खाता और बुरे ऋण की समस्या जटिल हुई है। इसके बावजूद सरकार व बैंक के स्तर पर अपेक्षित सतर्कता के संकेत नजर नहीं आये। ये दलीलें दी जाती रही हैं कि यदि दिग्गज कारोबारियों के ये नाम सार्वजनिक किये तो देश की नामचीन कंपनियों की वैश्विक बाजार में छवि खराब होगी। इस बाबत सरकारों की भी जवाबदेही तय करने की जरूरत है। सरकार को भी आम बैंक उपभोक्ताओं को बताना चाहिए कि बैंकिंग व्यवस्था में भरोसा कायम रखने के लिए उसने डिफॉल्टरों के विरुद्ध क्या कार्रवाई की। निःसंदेह यदि समय रहते कार्रवाई की जाती तो बैंकों का लोन आसानी से हजम करने वाले माल्या, नीरव व चोकसी पैदा न होते।

481 रुपये में 1 करोड़ की सुरक्षा, आपके लिए ये 7 बेहतरीन टर्म प्लान

नई दिल्ली। टर्म इंश्योरेंस (टर्म प्लान) को लेकर आज भी हमारे देश में लोग जागरुक नहीं हैं. लोगों को लगता है कि टर्म इंश्योरेंस में पैसे लगाना बेकार है, क्योंकि इसमें कोई रिटर्न नहीं मिलता है. लेकिन वो भूल जाते हैं कि टर्म प्लान ही सही मायने में असली लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी है. इसलिए कभी भी टर्म प्लान को निवेश के नजरिये से नहीं देखना चाहिए.दरअसल आज की तारीख में हर किसी को निवेश से पहले टर्म प्लान के बारे में सोचना चाहिए. क्योंकि जिस परिवार की खुशी के लिए आप दिन-रात मेहनत करते हैं, हर मांगें पूरी करते हैं. कल्पना कीजिए आपके बगैर उस परिवार की क्या स्थिति होगी? मेरे सवाल से आप घबरा गए होंगे. लेकिन इसपर गंभीरता से सोचने की जरूरत है.

अगर आप अपने परिवार से प्यार करते हैं तो सबसे पहले आप अपना टर्म इंश्योरेंस करवाकर उन्हें आर्थिक रूप से सुरक्षित भविष्य का तोहफा दें, ताकि जब आप न हों तो परिवार के सामने आर्थिक संकट न हो.दरअसल टर्म इंश्योरेंस के लिए कोई बड़ी रकम नहीं चुकानी पड़ती है. आप जितनी कम उम्र में टर्म प्लान ले लेंगे, उतना ही कम प्रीमियम लगेगा. टर्म इंश्योरेंस खरीदने से पहले आप ऑनलाइन इसकी पड़ताल कर सकते हैं. वहीं ऑफलाइन के मुकाबले ऑनलाइन टर्म प्लान लें ताकि प्रीमियम कम लगे.

आज की तारीख में तमाम इंश्योरेंस कंपनियां मासिक प्रीमियम पर भी पॉलिसी ऑफर करती हैं. अगर आप की उम्र 18 साल है, तो आप महज 481 रुपये मासिक प्रीमियम पर 1 करोड़ रुपये तक का टर्म प्लान खरीद सकते हैं. आज हम 7 बड़ी कंपनियों के टर्म प्लान लेकर आए हैं. जो हर मायने में बेहतर हैं, बस आपको इसमें से अपने लिए एक सेलेक्ट करना है. इसलिए बिना देर किए सबसे पहले टर्म प्लान खरीदकर अपने परिवार की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करें और फिर निवेश के दूसरे विकल्प पर बचत राशि लगाएं. नीचे आप विस्तार से पढ़ सकते हैं कि किस कंपनी के टर्म प्लान आपके लिए बेहतर और सस्ता है.उम्र 18 साल, Sum Assured: 1 करोड़, कंपनी- ICICI i protect, मंथली प्रीमियम- 622 रुपये, सालाना प्रीमियम- 7287 रुपये.उम्र 18 साल, Sum Assured: 1 करोड़, कंपनी- HDFC xd Plus Life Option, मंथली प्रीमियम- 601 रुपये, सालाना प्रीमियम- 6799 रुपये. उम्र 18 साल, Sum Assured: 1 करोड़, कंपनी- Ma& Life Online Term Plan, मंथली प्रीमियम- 530 रुपये, सालाना प्रीमियम- 6018 रुपये.

वेनेजुएला ने भारत को और तेल आयात की इच्छा जतायी

नई दिल्ली। अमेरिकी प्रतिबंध झेल रहा वेनेजुएला ने सोमवार को कहा कि वह भारत को और कच्चे तेल की बिक्री करना चाहता है। लातिन अमेरिकी देश दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता देश को तेल की अतिरिक्त बिक्री कर अपनी आय बढ़ाना चाहता है। वेनेजुएला के पेट्रोलियम मंत्री और लातिन अमेरिकी देश की सरकारी कंपनी पीडीवीएसए के अध्यक्ष मैनुएल क्यूवेदो ने यह भी संकेत दिया कि वह अमेरिकी पाबंदी को देखते हुए वैकल्पिक भुगतान प्रणाली के लिये तैयार हैं।

उन्होंने पेट्रोटक सम्मेलन के दौरान संवाददाताओं से अलग से बातचीत में कहा, हमारा भारत के साथ अच्छा संबंध और हम इस संबंध को बनाये रखना चाहते हैं। क्यूवेदो ने कहा कि अमेरिकी पाबंदी से वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था पर 20 अरब डालर का असर पड़ा है और वह भारत को और तेल बेचना चाहते हैं। अमेरिका ने पीडीवीएसए पर पाबंदी लगायी हुई है।

समाजवादी राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के इस्तीफे को लेकर दबाव बनाने के इरादे से ओपेक सदस्य देश के कच्चे तेल के निर्यात पर अंकुश लगाने के लिये यह कदम उठाया गया।

बढ़ी हुई कीमतों का फायदा लेने के लिए सोना बेच रहे लोग

नई दिल्ली। गोल्ड की कीमतों में नवंबर के बाद से 9 पर्सेंट की बढ़ोतरी हुई है, जिसका फायदा उठाने के लिए लोग बड़े पैमाने पर पुराना गोल्ड बेच रहे हैं। रिफाइनर्स और ट्रेडर्स ने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस साल जनवरी और फरवरी में पुराने गोल्ड की सप्लाइ में 15 से 20 पर्सेंट बढ़ोतरी हुई है। ट्रेडर्स का कहना है कि नॉन-बैंकिंग कंपनियां यानी एनबीएफसी भी गोल्ड की बढ़ी कीमतों का फायदा उठाने के लिए अपने पास रखा डिफॉल्टेड गोल्ड बेच रही हैं। ऑल इंडिया जेम्स एंड जूलरी डमेस्टिक काउंसिल के चेयरमैन अनंत पद्मनाभन ने बताया, 'छोटे फाइनेंसर्स, ट्रेडर्स और आम लोग बढ़ी कीमतों का फायदा उठाने के लिए अपने पास रखा अतिरिक्त गोल्ड बेच रहे हैं। हालांकि यह सिर्फ कुछ ही दिनों के लिए है। गोल्ड जब एक बार इस कीमत पर स्थिर हो जाएगा तो लोग फिर इसकी खरीदारी शुरू करेंगे।' सोमवार को गोल्ड का दाम 33125 रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास रहा।

वंदे भारत ट्रेन 15 फरवरी से, 1,850 रुपये लगेगा किराया

नई दिल्ली। दिल्ली और वाराणसी के बीच सफर के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस या ट्रेन 18 की चेयर कार का किराया 1,850 रुपये और एक्जीक्यूटिव क्लास के लिए 3,520 रुपये होगा. किराये में खानपान सेवा शुल्क शामिल है. रेलवे के मुताबिक वापसी यात्रा के दौरान चेयर कार (सीसी) के लिए टिकट का किराया 1,795 रुपये जबकि एक्जीक्यूटिव क्लास (ईसी) टिकट का किराया 3,470 रुपये होगा. आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इतनी ही दूरी के लिए शताब्दी ट्रेनों के किराये की तुलना में चेयर कार का किराया 1.5 गुना अधिक है और प्रीमियम ट्रेन में प्रथम श्रेणी वातानुकूलित किराये से एक्जीक्यूटिव क्लास का किराया 1.4 गुना अधिक है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 फरवरी को इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे.

राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप : खिताब के लिए जोर लगाएंगी नेहवाल और पीवी सिंधु

नई दिल्ली। पीवी सिंधु और साइना नेहवाल सहित भारत के शीर्ष शटलर मंगलवार से गुवाहाटी में शुरू होने वाली 83वीं सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैम्पियनशिप में जीत के लिए जोर लगाएंगे, जिसकी शुरुआत क्वालिफायर मुकाबलों से होगी. गत चैम्पियन साइना और पिछले चरण की उपविजेता सिंधु आकर्षण का केंद्र होंगी.पुरुष एकल में हालांकि थोड़ी चमक फीकी हो जाएगी, क्योंकि गत चैम्पियन एचएस प्रणॉय और उपविजेता किदांबी श्रीकांत के चोटिल होने के कारण इसमें नहीं खेलेंगे. इनकी गैरमौजूदगी में में पूर्व चैम्पियन समीर वर्मा और पारूपल्ली कश्यप पर सभी की निगाहें होंगी.

आज का राशिफल

मेष: आज का दिन आनंद व उल्लास से भरा हुआ होगा। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी अच्छा होगा। आज किए गए हर कार्य में सफलता मिलेगी। घर का वातावरण प्रफुल्लित रहेगा।

वृषभ: आज का दिन आपके लिए मिश्रित फलदायी है। अनेक प्रकार की चिंता आपको परेशान कर सकती है। स्वास्थ्य नरम रह सकता है। सेहीजनों के साथ मतभेद संभव है। घर का माहौल खराब न हो, इसका ध्यान रखें।

मिथुन: व्यापारी वर्ग के लिए आज का दिन शुभफलदायी है। व्यापार तथा आय में वृद्धि होगी। मित्रों से लाभ होगा। नौकरी में अधिकारियों की कृपादृष्टि से प्रमोशन भी संभव है।

कर्क: आज का दिन आपके लिए शुभ है। अधिकारी खुश रहेंगे। नौकरी करनेवालों के लिए प्रमोशन का योग है। परिवार में मैत्रीपूर्ण वातावरण बना रहेगा। नई साज-सजावट से घर की शोभा में वृद्धि होगी।

सिंह: आज का दिन आलस्य तथा थकान में बीत सकता है। क्रोध और वाणी पर संयम रखें, अन्यथा हानि हो सकती है। पेट से संबंधित दर्द से परेशानी हो सकती है। सफलता प्राप्त करने के लिए परिश्रम अधिक करना पड़ सकता है, शुभ समाचार मिलेगा।

कन्या: खान-पान का विशेष रूप से ध्यान रखें। आवेश और क्रोध की मात्रा अधिक हो सकती है, इसलिए स्वास्थ्य के प्रति ध्यान दें। वाणी पर भी संयम बरतें। अनैतिक कृत्यों से दूर रहें। सरकार-विरोधी प्रवृत्तियों के कारण परेशानी न हो, इसका ध्यान रखें।

तुला: आज सांसारिक जीवन का आनंद विशेष रूप से ले सकते हैं। छोटे से प्रवास का आयोजन होगा। शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। सारा दिन आनंद और उल्लास में बिताएंगें।

वृश्चिक: पारिवारिक वातावरण आनंद व उल्लास से लबालब रहेगा। तन, चेतना एवं स्फूर्ति का संचार होगा। प्रतिस्पर्धी एवं दोस्त के वेश में छिपे शत्रु अपने प्रयासों में असफल रहेंगे।

धनु: आज का दिन मिश्रित फलदायी है। पेट से संबंधित बीमारियों की समस्या हो सकती है। असमंजस जैसी स्थिति के कारण कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय आज न लें।

मकर: आज का दिन प्रतिकूलताओं से भरा हो सकता है। स्फूर्ति का अभाव हो सकता है। परिजनों के साथ मनमुटाव न हो, इसका ध्यान रखें। मानहानि एवं धनहानि से बचने का प्रयास करें।

कुंभ: मन से चिंता का भार हल्का हो जाएगा। मानसिक रूप से प्रफुल्लित रहेंगे। शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। पारिवारिक वातावरण आनंदित रहेगा।

मीन: आज दिन मध्यम फलदायी होगा। नकारात्मक विचारों से दूर रहें। क्रोध और वाणी पर संयम बरतें। किसी से वाद-विवाद या झगड़े को संभव हो तो टाल दें।

घर में नहीं रखनी चाहिए टूटे फूटे बर्तन जानिए कारण

कोई ऐसा घर नहीं होगा जहां बर्तन का इस्तेमाल नहीं होता होगा। इनके बिना कोई पकवान तैयार नहीं हो सकता अगर हम कहे इनसे ही रसोईघर की सजावट होती है तो यह कहना बिलकुल भी गलत नहीं होगा। इनमें स्टील से लेकर कांच तक के बर्तन शामिल हैं लेकिन क्या आप इस बात से वाकिफ हैं कि बर्तन आपकी किस्मत को बदलने का भी माद्दा रखते हैं। तो चलिए जानते हैं बर्तन की मदद से कैसे बदलें अपनी तकदीर घर में कभी भी टूटे-फूटे बर्तन नहीं रखने चाहिए और न ही उनका इस्तेमाल करना चाहिए। ऐसे बर्तनों का इस्तेमाल वास्तु के हिसाब से उचित नहीं माना गया है। अगर किसी पात्र में कोई खरोंच आदि जैसा निशान भी आ जाए तो भी उसे भोजन करने के लिए इस्तेमाल में नही लाना चाहिए। अगर बर्तन टूट गए हैं और आप उन्हें इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं तो उन्हें कभी भी स्टोर रूम में न रखें। यह वास्तु की दृष्टि से अशुभ है तथा इसे वास्तु विज्ञान में एक दोष की भांति देखा जाता है। शायद पता न हो लेकिन टूटे-फूटे बर्तन दरिद्रता की ओर संकेत करते हैं तथा इन्हें घर में जगह देने से घर में दरिद्रता बढ़ती है और कई तरह की आर्थिक हानि भी हो सकती है। अगर संभव हो तो घर में चांदी के बर्तनों का प्रयोग करें। वास्?तु के अनुसार, यह तन, मन और धन के लिए काफी अच्छे होते हैं। चूंकि इसकी तासीर ठंडी होती है जिससे शरीर की गर्मी का नाश होता है।

शेन वार्न ने कहा- पंड्या और राहुल की टिप्पणियों पर विवाद हास्यास्पद था

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व लेग स्पिनर शेन वार्न ने टीवी चैट शो 'कॉफी विद करण' महिलाओं पर की गई हार्दिक पंड्या की टिप्पणी के बाद उठे विवाद को हास्यास्पद करार दिया है। गौरतलब है कि हार्दिक पंड्या और केएल राहुल इस पॉपुलर टीवी चैट शो में गेस्ट के तौर पर शामिल हुए थे और अपनी सेक्सुअल लाइफ के बारे में खुलकर बात की थी। इन दोनों की महिलाओं को लेकर की गई टिप्पणियां बेहद आपत्तिजनक थीं। इसके बाद विवाद खड़ा होने पर हार्दिक और राहुल को टीम से सस्पेंड कर दिया गया था।

टेस्ट क्रिकेट में 708 विकेट चटकाने वाले महान लेग स्पिनर शेन वार्न का कहना है कि हार्दिक और राहुल की टिप्पणी को लेकर मचे बवाल पर उन्हें हंसी आती है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि खिलाड़ियों को बिना किसी रुकावट के खुद को एक्सप्रेस करने की आजादी देनी चाहिए। वार्न ने कहा, 'आजकल सबकुछ राजनीतिक रूप से बिल्कुल सही होना चाहिए। अगर कोई प्लेयर खुलकर बात करता है तो सबके पास अपना अपना मत होता है।

इरानी कप : अजिंक्य रहाणे की निगाह वर्ल्ड कप पर

नई दिल्ली। रणजी चैंपियन विदर्भ मंगलवार (12 फरवरी) से ईरानी कप में शेष भारत की टीम से दो-दो हाथ करेगा. विदर्भ ने लगातार दूसरे साल रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता है. वह ईरानी कप जीतकर 2017-18 सत्र को यादगार बनाने की कोशिश करेगा. दूसरी ओर, शेष भारत के कप्तान अंजिक्य रहाणे इस मैच में बड़ा स्कोर बनाकर विश्व कप की टीम में जगह बनाने के लिए अपना दावा पेश करने की कोशिश करेंगे. यह मैच नागपुर में सुबह साढ़े नौ बजे से खेला जाएगा.

रणजी चैंपियन विदर्भ को इस मैच में अपने मुख्य तेज गेंदबाज उमेश यादव के बिना उतरना होगा. शेष भारत की टीम में अजिंक्य रहाणे के अलावा, मयंक अग्रवाल, श्रेयस अय्यर और हनुमा विहारी जैसे खिलाड़ी है. ऐसे में विदर्भ के लिए उमेश यादव के बिना शेष भारत को हराना आसान नहीं होगा. अजिंक्य रहाणे ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ लिस्ट ए के तीन मैच खेले थे, जिसमें उन्होंने दो अर्धशतक लगाए. उनकी निगाह विश्व कप टीम में रिजर्व सलामी बल्लेबाज की जगह पर लगी है. वे पांच दिवसीय मैच में अच्छी पारी खेलने पर चयनकर्ताओं का ध्यान खींच सकते हैं.

आलू भटूरे बनाने की विधि जानिए

पंजाब में बहुत से लोग चने भटूरे खाने के बेहद शौकीन होते है लेकिन आज हम इसके स्वाद को और बढ़ाने का एक बेहद खास तरीका बताने जा रहे है जिससे आप यकीनन बेहद पसंद करेंगे।

आवश्यक सामग्री
तीन कप मैदा
दो आलू (उबले हुए)
एक चौथाई कप दही
एक छोटी कटोरी दूध
चुटकीभर नमक
तेल जरूरत के अनुसार
पानी जरूरत के अनुसार

विधि- सबसे पहले उबले हुए आलुओं को छीलकर अच्छे से मैश कर लें.

एक परात में मैदा लें. मैदे में आलू, दही, एक बड़ा चम्मच तेल, नमक और दूध डालकर अच्छे से मिक्स करें.

अब मैदे में धीरे-धीरे पानी डालते हुए इसे सॉफ्ट गूंद लें और ढककर सेट होने के लिए रख दें. - तय समय के बाद मीडियम आंच में एक कड़ाही में तेल गरम करने के लिए रखें.

इसी बीच गूंदे हुए आटे की लोइयां तोड़कर इसे या तो गोलाकार में या ओवल शेप में बेल लें.

तेल के गरम होते ही भटूरे डालकर तल लें.

तैयार हैं आलू भटूरे. छोले और अचार के साथ सर्व करें.

शब्द सामर्थ्य-76

बाएं से दाएं
1. व्यर्थ, अकारण, बेवजह (उर्दू) 4. साथ में, सहित 5. वर्षा, बारिश, बरखा 8. कथा, किस्सा 9. चिढ़चिड़ा, बदमिजाज 11. प्रलय, आफत, हलचल 12. लाख ढकने का कपड़ा 13. पिता, क्लर्क, सम्मानित व्यक्ति 14. वायु, पवन 16. निवास करना, उपस्थित होना, ठहरना 18. जिसे लात खाने की आदत हो गई हो 19. सेवक, दास, चाकर 21. भ्राता 22. मेघ, जलद, नीरद।

ऊपर से नीचे
1. विशेष, विशिष्ट 2. सुगंध, खुशबू 3. आदमी, मनुष्य, मानव 5. अपेक्षाकृत, अपेक्षया 6. कष्ट, दर्द, दिक्कत 7. पठन, पढ़ने का काम, शिक्षा 10. किस्मत, नसीब, भाग्यवान 12. एक पक्षी जो पुराने समय में संदेश वाहक का काम करता था 13. बाल, बच्चा, लड़का, छोकरा 17. वायु संबंधी, हवा में रहने, उड़ने या होने वाला, बिलकुल काल्पनिक और निर्मूल 19. नाव, कश्ती 20. वर्ष, बरस, एक इमारती वृक्ष।

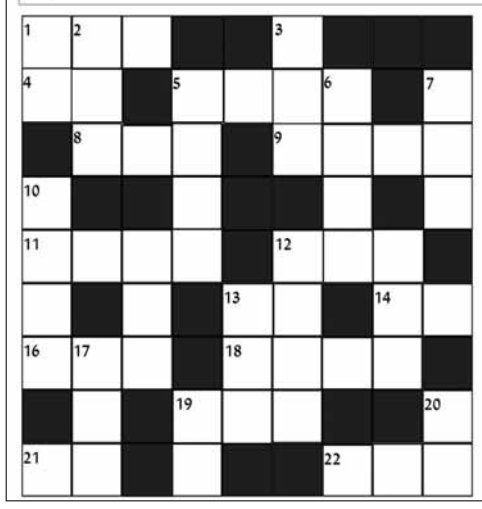

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 75 का हल

पं	क्ति		स्वा	द		स	ब	ब
जा		सु	हा	ना			ली	द
ब	हु	धा		द	ल	ना		ल
		क	मा	न		ग	ह	ना
भं	व	र				वा	म	
गी	त		म	ज	बू	र		ट
	न	म	स्का	र				र
		र्या			बी		ना	का
सं	वि	दा		ब	स	च	ल	ना

सू-दोकू-76

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.75 का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
	2	6	3	1	9	7	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5